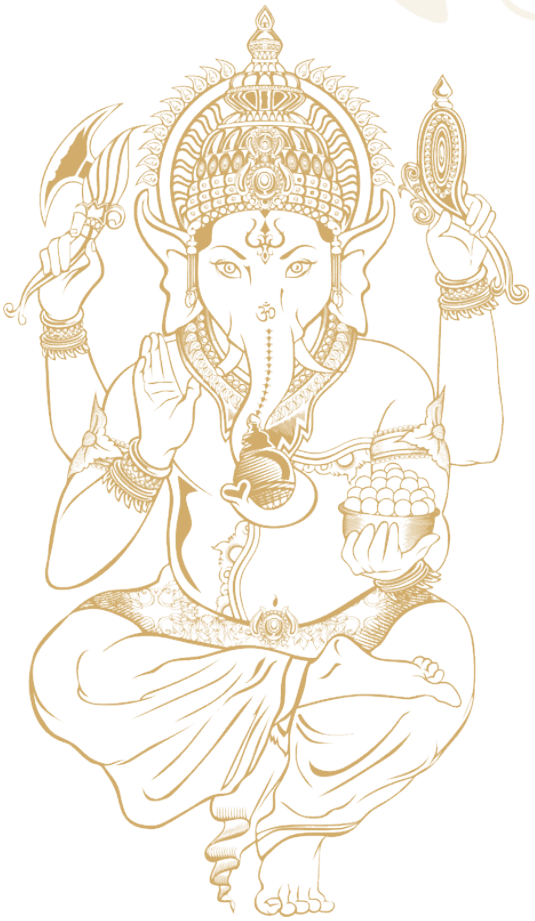

Arun

01 Jun 1996

03:00 AM

Vidisha

Model: web-freekundliweb

Order No: 121789102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31-01/06/1996**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**03:00:00 घंटे**
इष्ट	53:39:24 घटी
स्थान	**Vidisha**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:30:00 उत्तर
रेखांश	77:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:41:20 घंटे
वेलान्तर	00:02:20 घंटे
साम्पातिक काल	19:19:57 घंटे
सूर्योदय	05:32:14 घंटे
सूर्यास्त	19:00:41 घंटे
दिनमान	13:28:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	16:52:37 वृष
लग्न के अंश	02:34:04 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शिव
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ना-नवीन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	02:34:04	459:59:29	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
सूर्य			वृष	16:52:37	00:57:29	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	03:39:14	14:25:36	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	नीच राशि
मंगल			मेष	27:44:33	00:43:35	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
बुध			मेष	26:28:12	00:18:22	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
गुरु	व		धनु	22:42:34	00:04:51	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र	व		मिथु	01:47:28	00:27:09	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	11:43:29	00:04:28	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	21:59:48	00:06:16	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	21:59:48	00:06:16	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	10:33:40	00:01:05	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:40:20	00:00:58	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	07:40:40	00:01:38	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			धनु	24:38:38	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:28

लग्न-चलित

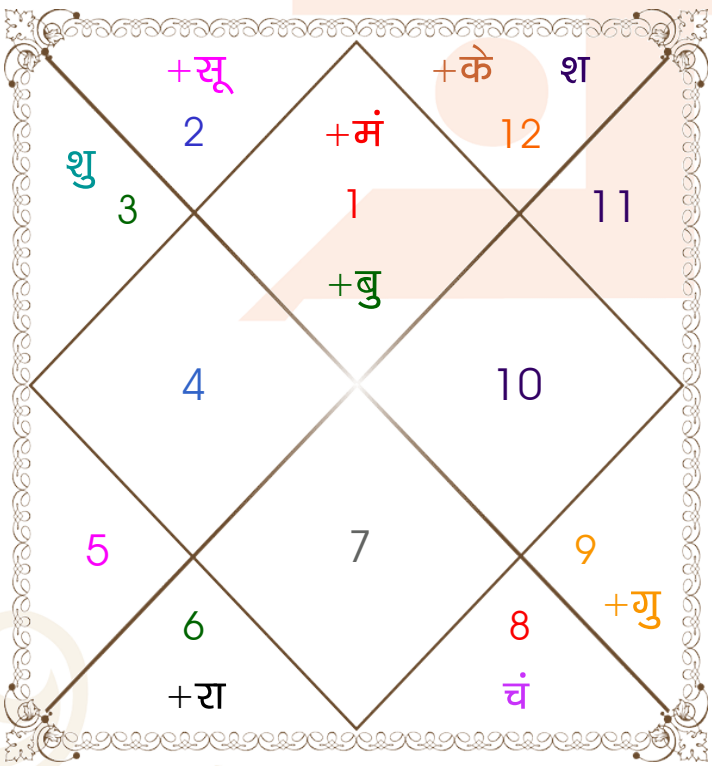

चन्द्र कुंडली

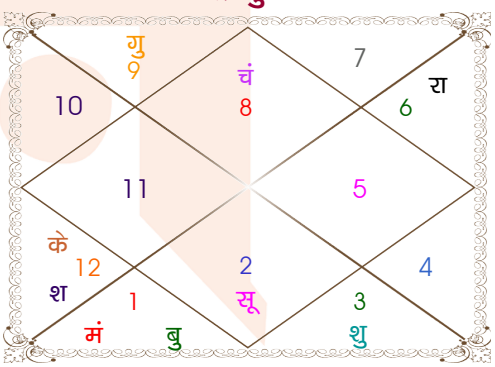

नवमांश कुंडली

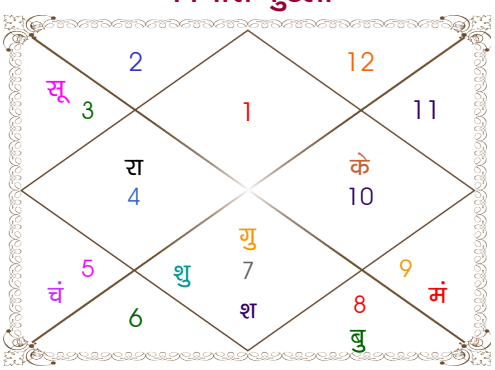

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 6 मास 15 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/06/1996		16/12/2014		17/12/2031		16/12/2038		16/12/2058	
16/12/2014		17/12/2031		16/12/2038		16/12/2058		16/12/2064	
शनि	20/12/1998	बुध	14/05/2017	केतु	14/05/2032	शुक्र	17/04/2042	सूर्य	05/04/2059
बुध	29/08/2001	केतु	11/05/2018	शुक्र	14/07/2033	सूर्य	17/04/2043	चंद्र	05/10/2059
केतु	07/10/2002	शुक्र	11/03/2021	सूर्य	19/11/2033	चंद्र	16/12/2044	मंगल	10/02/2060
शुक्र	07/12/2005	सूर्य	16/01/2022	चंद्र	20/06/2034	मंगल	15/02/2046	राहु	03/01/2061
सूर्य	19/11/2006	चंद्र	17/06/2023	मंगल	16/11/2034	राहु	15/02/2049	गुरु	22/10/2061
चंद्र	19/06/2008	मंगल	13/06/2024	राहु	05/12/2035	गुरु	17/10/2051	शनि	04/10/2062
मंगल	29/07/2009	राहु	01/01/2027	गुरु	09/11/2036	शनि	16/12/2054	बुध	11/08/2063
राहु	04/06/2012	गुरु	08/04/2029	शनि	19/12/2037	बुध	16/10/2057	केतु	17/12/2063
गुरु	16/12/2014	शनि	17/12/2031	बुध	16/12/2038	केतु	16/12/2058	शुक्र	16/12/2064

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/12/2064		16/12/2074		16/12/2081		17/12/2099		18/12/2115	
16/12/2074		16/12/2081		17/12/2099		18/12/2115		00/00/0000	
चंद्र	16/10/2065	मंगल	15/05/2075	राहु	28/08/2084	गुरु	04/02/2102	शनि	02/06/2116
मंगल	17/05/2066	राहु	01/06/2076	गुरु	22/01/2087	शनि	17/08/2104		00/00/0000
राहु	16/11/2067	गुरु	08/05/2077	शनि	28/11/2089	बुध	23/11/2106		00/00/0000
गुरु	17/03/2069	शनि	17/06/2078	बुध	16/06/2092	केतु	30/10/2107		00/00/0000
शनि	17/10/2070	बुध	14/06/2079	केतु	05/07/2093	शुक्र	30/06/2110		00/00/0000
बुध	17/03/2072	केतु	10/11/2079	शुक्र	05/07/2096	सूर्य	18/04/2111		00/00/0000
केतु	16/10/2072	शुक्र	09/01/2081	सूर्य	29/05/2097	चंद्र	17/08/2112		00/00/0000
शुक्र	17/06/2074	सूर्य	17/05/2081	चंद्र	28/11/2098	मंगल	24/07/2113		00/00/0000
सूर्य	16/12/2074	चंद्र	16/12/2081	मंगल	17/12/2099	राहु	18/12/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 6 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में मेष लग्न, मेष नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण में हुआ था। अस्तु यह जन्म वर्गोत्तम सूचक एवं अति उत्तम जन्म फल का सृजन कर रहा है।

परिणाम स्वरूप आप व्यक्तिगत रूप से स्वनिर्मित, साहसी, उत्सुक, किसी भी योजना को कार्यान्वित करने वाले, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने वाले, किसी भी कार्य को शक्ति प्रदान करने वाले अथवा बिना किसी भी सहयोग के विभिन्न प्रकार के कार्यों को कार्यान्वित करने वाले हैं। आप बुनियादी रूप से एक विशेष व्यक्तित्व प्राप्त, अपने उद्देश्य में संलग्न रहने वाले, अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने वाले, महत्वकांक्षी, परिश्रमी और अपने बनाए रास्ते पर चलने वाले तथा सुगमता से अपनी राह पर अग्रसर रहने वाले प्राणी है। आप मुसीबत के समय या संघर्षपूर्ण समय में भी पीछे मुड़कर नहीं देखने वाले शीघ्र ही कम समय में सुगमता पूर्वक उचित कार्य को पूर्ण कर लेने वाले हैं। आप अपने भरोसे ही पूर्ण विश्वसनीयता से सभी कार्यों को बिना प्रभावित हुए संपादन करने वाले हैं।

यदि कोई आपके साथ अत्यंत ही उत्तेजना पूर्वक व्यवहार करता है, तब आप भी वैसा ही व्यवहार उसके साथ अवश्य करना चाहते हैं। अपने सिद्धांतों का हनन होते देखकर आप में प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति का जागरण हो जाता है। आप एक सिद्धांतवादी, सदाचारी, विश्वासी, निष्कपट व्यवहार करने वाले व्यक्ति है। आप किसी को भी नीति विरुद्ध आचरण करते देख, उत्तेजित हो जाते हैं। अन्यथा आप एक धार्मिक विश्वासी एवं निष्कपट व्यवहार करने वाले हैं।

आप एक सृजनात्मक प्रवृत्ति एवं तीक्ष्ण बुद्धि के प्रगति शील सृजनकर्ता हैं। आप अपनी संपन्नता एवं उद्देश्य के प्रति सुनिश्चित एवं अधिकृत होकर पूर्ण विश्वसनीयता से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहते है। आप जिस कार्य या लक्ष्य को सुनिश्चित कर लेते हैं, वह पथ कितना भी दुर्गम क्यों न हो कोई भी आपको अपने उद्देश्य से रोक नही सकता। आप स्वयं अपने कार्य और उद्देश्य को सुनिश्चित कर आप जिसे उपयुक्त समझते हैं। उसे पूरा करना ही अपना लक्ष्य समझते हैं। आप एक लगनशील और कर्मठ प्राणी हैं। परंतु आप अपने स्वाभाविक गुण एवं अपनी सत्ता के माध्यम से अपने मूल अस्तित्व एवं प्रसारात्मक तरीके से धन संचय कर लेते हैं। आप आवारागर्दी पर अपने धन का अपव्यय करते हैं, जो आपके लिए सर्वथा त्याज्य है। आप हर क्षण अविवेकिता पूर्ण तरीके से अपने द्वारा किए गए अनर्थकारी कार्यों को सत्य प्रमाणित करके संतुष्ट रहने का प्रयास करते हैं। आपके द्वारा अर्थ प्राप्ति के लिए उत्तम कार्य शैली का प्रदर्शन धैर्य पूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत एवं कार्यान्वित किया जाता है। आप अपने बाएं-दाएं निकटतम समर्थक को अपने अधिकार क्षेत्र में संलग्न रखना पसंद करते हैं। आप हर क्षण अपनी सुरक्षा हेतु किसी मित्र की सहायता के लिए तत्पर रहा करते हैं। आप किसी भी क्षण किसी अन्य के हाथों पराजित होना पसंद नही करते तथा आपको कोई भी विरोधी पराजित न कर सके। इस भावना से आप संशोधन करने को तत्पर रहते हैं। तथा अपने मित्रों की सहायता करने को प्रस्तुत रहते हैं।

आप में यह विशेष गुण है कि आप संयुक्त परिवार के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। वास्तव में आप अपने घर को एक पक्षी के घोसले जैसा प्यार करते हैं। अर्थात् आप घर परिवार पर से पूर्ण रूपेण निकट एवं संबंधित रहकर जीना पसंद करते हैं। आप अपने दाम्पत्य जीवन को किसी भी प्रकार से प्रभावित करना या हतोत्साहित करना नहीं चाहते। आपको अपने परिवार के प्रति अत्यधिक झुकाव रहता है। आपके भाई और पारिवारिक अन्य सदस्य आपके मार्गदर्शन पर बिना किसी भी मतांतर के अनुकूल आचरण करते हैं।

आप अत्यंत ही प्रेम करने वाले कामुक प्राणी हैं और विपरीत योनि के प्रति या इस प्रकार के व्यक्ति से आप संबद्ध रहते हैं। स्वाभाविक रूप से जिनका जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला एवं धनु है। उनके साथ आपका वैचारिक मेल रहना उपयुक्त है। आपकी जन्मपत्रिका से यह संकेत मिलता है कि आप शारीरिक दृष्टिकोण से चुस्त, दुरुस्त एवं पुष्ट हैं और रहेंगे।

आपकी प्रतिभा की यह विशेषता है कि आपकी उन्नत ललाट और चमकीली आंखें किसी के भी मन की बातों को जान लेने में पूर्ण सक्षम और लक्ष्य भेदन में समर्थ हैं। आप सामान्यतया उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति संपन्न एवं किसी प्रकार के रोग से मुक्त रहकर जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु आप निश्चित रूप से किसी छोटी दुर्घटना के शिकार होंगे। अस्तु सिर की रक्षा करें तथा सतर्कता पूर्वक वाहन चलाएं। ऐसी आशंका है कि आप यदि सतर्क नही रहें तो सिरोवेदना, अग्नि दाह, अनिद्र आदि रोगों से पीड़ित रहेंगे। अस्तु आपके लिए यह विचारणीय है कि आप सदैव ही अधिक मात्रा में साक-सब्जियों का व्यवहार करें। आप को सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण रूपेण निद्रा, विश्राम आदि कर चुके हैं तथा तरोताजगी से कार्यारम्भ करें। आपको यह संकेत दिया जाता है कि आप एक समय में कई कार्यों को नही कर एक कार्य को ही मनोयोग पूर्वक करें। क्योंकि आप एक ही समय कई कार्यों का संपादन करने की क्षमता रखते हैं और एक साथ विभिन्न कार्यों को संपादन कर धन प्राप्त करते हैं।

आपके लिए विधि, कार्य, तेल का कार्य, भूमि क्रय-विक्रय, पशुपालन, लौह एवं स्टील कार्य, यांत्रिकी कार्य, फैक्ट्री कार्य, चमड़े का कार्य अथवा चर्मोद्योग कार्य उपयुक्त और लाभ जनक है। यदि आपको उपयुक्त योग्यता है तो आप अध्यापन कार्य भी कर सकते हैं।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 प्रभावक अंक 4 एवं 8 हैं। 2, 3 और 5 अंक सामान्य परंतु 6 एवं 7 अंक आपके लिए उपयुक्त अंक हैं।

जहां तक संभव हो सके आप लाल, पीला, ताम्रवर्णी एवं स्वर्णरंजित रंग के वस्त्रों एवं वस्तुओं का उपयोग अपने जीवन की अनुकूलता हेतु करें। काले नीले रंग की धातु या वस्त्र कदापि व्यवहार में न लाएं।